विलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 03/10/2020

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक - तृतीय खण्ड
षष्ठ - पत्र : आधुनिक मैथिली काव्य

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (पहिल भाग)

→ सुंदरकांड - शेखर प्रकाशन, पटना

प्रश्न :- मिथिला भाषा रामायणक सुंदरकांडक आधार पर महावीरक पराक्रमसँ परिचय कराउ।

उत्तर - आध्यात्म रामायणक आधार पर लिखल कवीश्वरक मिथिला भाषा रामायण मे सुन्दरकाण्डकेँ सर्वाधिक प्रशस्त काण्ड - बुझल जाइत अछि। एहि काण्डक सम्पूर्ण कथा कौतुहलसँ भरल अछि आ सम्पूर्ण काण्डमे सुन्दरसँ सुन्दरतम काज हनुमानजी द्वारा कयल गेल अछि। सम्पूर्ण सुन्दरकाण्डक घटनाक्रमकेँ पाँच भाग मे विभाजित कयल गेल अछि।

(i) हनुमान द्वारा समुद्र लंघन आ लंकामें प्रवेश।
(ii) हनुमान द्वारा सीताक खोज आ रावण-सीता संवाद।
(iii) सीता संवाद आ अशोकवाटिकाक विध्वंस।
(iv) रावण - हनुमान संवाद आ लंकादहन।
(v) लंकासँ हनुमानक वापसी।

सुंदरकांडमे यद्यपि हनुमानक वीर रसक स्थायी भाव अभिव्यक्त भेल अछि मुदा एकर अन्तवर्ती धारामे भक्तियेक प्रधानता अछि। रामचन्द्रक चरणकमलक स्मरण करैत हनुमानजी जे उड़िक समुद्र पार करैत छथि से अलौकिक आ चमत्कारपूर्ण तँ अछिये महावीरक अद्भुत पराक्रमक सेहो परिचायक अछि।

03/10/2020